663

RJ-03

December - Examination 2018

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper - RJ-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर खण्ड 'अ', 'ब', 'स' मांय बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा, खण्ड 'ब' में छोटा अर 'स' में मोटा सवालां रा पडूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियौड़ा निर्देशां मुजब आप रा जवाब लिखौ।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है। आपरै जवाब री सीमा अधिकतम 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) ''बालावबोध'' सूं आप कांई अरथ करौ?

(ii) ''विगत'' गद्य साहित्य में किणरौ वरणन मिळै?

(iii) राजस्थान रा किण ख्यात रचनाकार नै ''राजस्थान रौ अबुल फजल'' मानीजै?

(iv) ''मूंदीयाड़ री ख्यात'' रा रचनाकार कुण है?

(v) ''अचलदास खींची री वचनिका'' रा रचनाकार कुण है?

(vi) ''वैत'' रौ साब्दिक अरथ कांई हुवै?

(vii) ''सातल–सोम री वात'' में दिल्ली रै किण बादशाह साथै सातल–सोम रौ जुद्ध हुयौ?

(viii) राजस्थानी वातां में ''सोखता'' अर ''पोखता'' सगतियां रौ उल्लेख मिलै? अै कांई हुवै?

(ix) दो चावी जैन वचनिकावां रा नांव लिखौ।

(x) ''महाराजा अजीतसिह री दवावैत'' रै रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) पीढ़ियावली अर वंसावली बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

3) ''दयालदास री ख्यात'' माथै टिप्पणी लिखौ।

4) बांकीदास रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

5) राजस्थानी वातां कैवण रौ ढंग उजागर करौ।

6) प्रेमप्रधान वातां माथै टीप लिखौ।

7) राजस्थानी वातां री भासासैली बाबत टिप्पणी लिखौ।

8) राजस्थानी दवावैत गद्य साहित्य माथै सांतरी टीप लिखौ।

9) सिलालेख साहित्य री प्रमुख विसेसतावां उजागर करौ।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

(मोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड सूं कोई दो सवालां रा जवाब 500 सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) ''ख्यात'' रौ अरथ समझांवता थकां राजस्थानी ख्यात साहित्य री प्रमुख रचनावां बाबत अपारी जाणकारी उजागर करौ।

11) राजस्थानी वात साहित्य रौ वरगीकरण करौ।

12) राजस्थानी वात साहित्य री साहित्यिक दीठ सूं निरख–परख करौ।

13) विस्तार साथै टिप्पणी लिखौ –

अ) टीका साहित्य अर उणरी विसेसतावां।

ब) विगत साहित्य री विसेसतावां।